छत्तीसगढ़ में माओवादियों से मुठभेड़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **छत्तीसगढ़ में सुकमा-बीजापुर सीमा पर** माओवादियों के साथ मुठभेड़ में 3 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए।

मुख्य बिंदु:

- आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह घटना सुरक्षाकर्मियों की संयुक्त टीम के **तलाशी अभियान के दौरान टेकलगुडेम गाँव के पास हुई।**
- माओवादियों के गढ़ टेकलगुडेम में सुरक्षाकर्मियों का एक नया शिविर स्थापित किया गया।
- शिविर स्थापित करने के बाद, स्पेशल टास्क फोर्स डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड और कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन **[CoBRA-** केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CRPF) **की एक जंगल वारफेयर यूनिट]** के जवान पास के जोनागुडा-अलीगुडा गाँवों की तलाशी ले रहे थे, तभी माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।
- **सुकमा ज़िला:**
  - यह ज़िला छत्तीसगढ़ राज्य के दक्षिणी सिरे पर स्थित है जिसे **वर्ष 2012 में दंतेवाड़ा से अलग करके बनाया गया था।**
  - यह ज़िला **अर्द्ध-उष्णकटिबंधीय वन** से आच्छादित है और जनजातीय समुदाय **गोंड (Gond)** की मुख्य भूमि है।
  - इस ज़िले से होकर बहने वाली एक प्रमुख नदी **सबरी (**गोदावरी **नदी की सहायक नदी)** है।
  - कुछ दशकों से यह क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद (Left Wing Extremism- LWE) गतिविधियों का मुख्य क्षेत्र बन गया है।
  - इस क्षेत्र को ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल भौगोलिक स्थानों ने LWE कार्यकर्त्ताओं के लिये एक सुरक्षित ठिकाना बना दिया।

भारत में वामपंथी उग्रवाद

- वामपंथी उग्रवादियों को **विश्व के अन्य देशों में माओवादियों** के रूप में और **भारत में नक्सलियों** के रूप में जाना जाता है।
- **नक्सलवाद शब्द का नाम पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लिया गया है।** इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी।
  - **विद्रोह की शुरुआत वर्ष 1967 में कानू सान्याल और जगन संथाल के नेतृत्व** में मेहनतकश किसानों को भूमि के उचित पुनर्वितरण के उद्देश्य से की गई थी।
- यह आंदोलन **छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश** जैसे कम विकसित पूर्वी भारत के राज्यों में फैल गया है।
- यह माना जाता है कि नक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और विचारधारा का समर्थन करते हैं।
  - **माओवाद,** साम्यवाद का एक रूप है जो **माओत्सेतुंग द्वारा विकसित किया गया है। इस सिद्धांत के समर्थक सशस्त्र विद्रोह, जनसमूह और रणनीतिक गठजोड़ के संयोजन से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने में विश्वास रखते हैं।**

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- यह **आंतरिक सुरक्षा के लिये भारत के प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (गृह मंत्रालय के तहत)** में से एक है।
- **मूल रूप से वर्ष 1939 में क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में गठित,** यह सबसे **पुराने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में से एक है।** स्वतंत्रता के बाद, **28 दिसंबर, 1949 को CRPF अधिनियम के लागू होने पर यह केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल बन गया।**
- इसका मिशन सरकार को **कानून के शासन, सार्वजनिक व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा को प्रभावी ढंग से और कुशलता से बनाए रखने, राष्ट्रीय अखंडता को संरक्षित करने व संविधान की सर्वोच्चता को बनाए रखते हुए सामाजिक सद्भाव तथा विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाना है।**

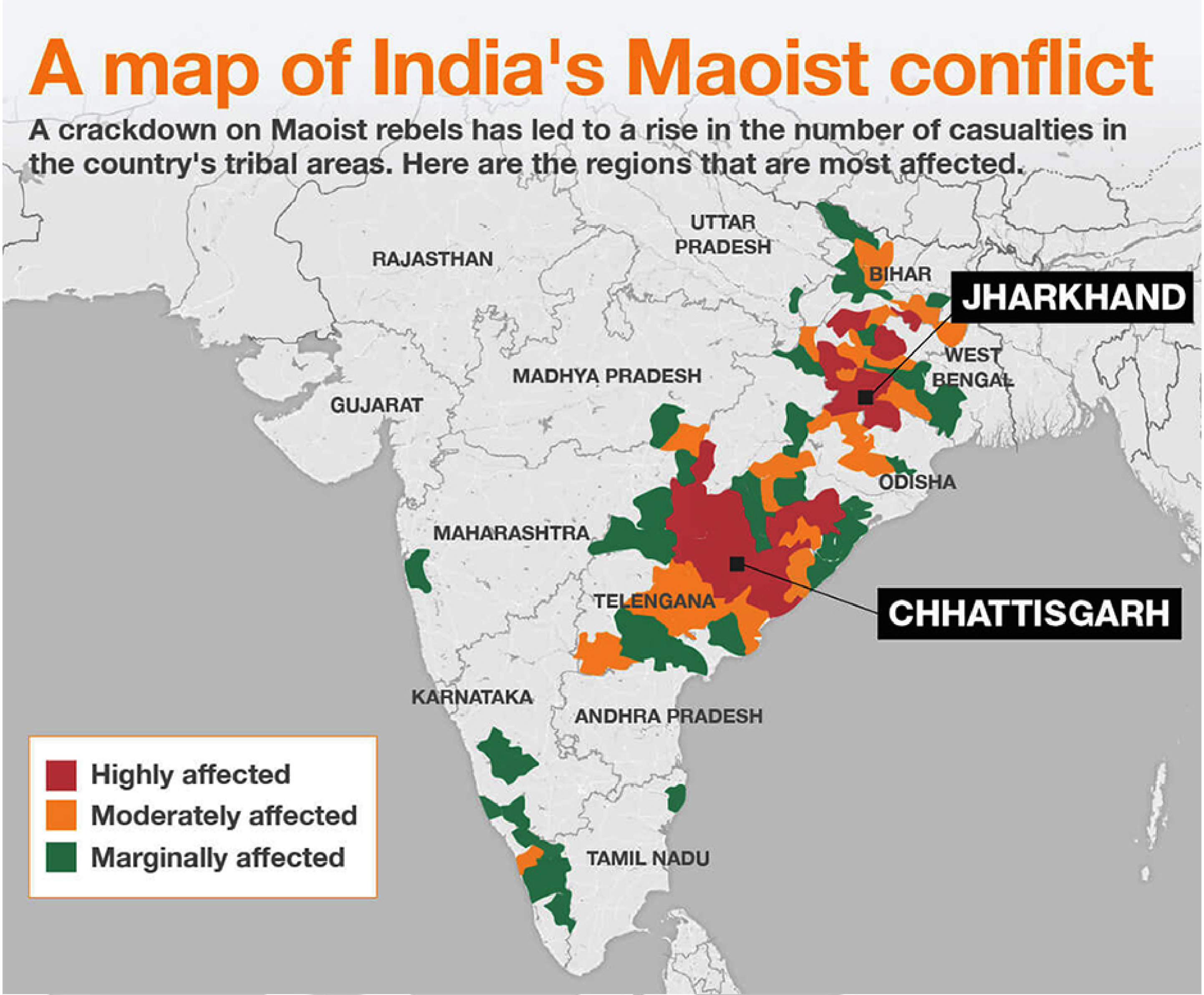

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maoists-encounter-in-chhattisgarh